[Mr. Deputy Chairman]

The Committee recommended that from Monday, the 16th July, 1979, the House should sit up to 6 P.M. daily and beyond 6 P.M., as and when necessary, for the transaction of Government business.

सदन की कार्यवाही 3 बजे तक के लिये स्थगित की जाती है।

The House then adjourned for lunch at fifty-six minutes past one of the clock.

The House reassembled, after lunch, at three minutes past three of the clock, **Mr. Deputy Chairman** in the Chair.

REFERENCE TO THE REPORTED RESIGNATION BY MINISTERS

श्री बुद्ध प्रिय मौर्य (आंध्र प्रदेश) : श्रीमन्, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है। आपको स्वयं भी पता लग गया होगा कि चार स्टेट मिनिस्टर्स और एक कैबिनट मिनिस्टर ने इस्तीफा दे दिया है। सौभाग्य से माननीय जगबीर सिंह जी, इनफार्मेशन मिनिस्टर यहां मौजूद हैं। उनका भी इस्तीफा आया है और उनका यह जो इस्तीफा आया है उनके अलावा करीब-करीब 8 इस्तीफे प्राइम मिनिस्टर को भेजे जा रहे हैं। 13 इस्तीफे आ चुके हैं और यह भी सुनने में आया है कि डिप्टी प्राइम मिनिस्टर आदरणीय चौधरी चरण सिंह को डिसमिस कर दिया गया है। मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि यह सरकार माइनारिटी में आ गई है और माइनारिटी में इतनी आ गई है कि यह चलने के काबिल नहीं है। फिर इस सरकार को चलाने का ड्रामा सदन में, सदन के नेता बतायें क्यों कर रहे हैं? इस सरकार को तुरन्त इस्तीफा दे देना चाहिए। माननीय मोरारजी भाई देसाई जिस समय, आदरणीया श्रीमती इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री थीं तो उनकी माइनारिटी गवर्नमेंट के खिलाफ माननीय मोरारजी देसाई लोक सभा में बोले थे, उस समय का उनका भाषण भी उठाकर देख लीजिए। उन्होंने कहा था कि जिस समय सरकार माइनारिटी में आ जाए—उनका एक घंटे का भाषण है—कोई भी आदर्श नहीं रह जाता है कि माइनारिटी में आने के बाद फिर भी सत्ता में बने रहें। मैं आज यह पूछना चाहता हूं कि सदन के नेता यहां हैं, उनको भी कोई अधिकार नहीं रह जाता है नेता बने रहने का, लेकिन वह बतायें कि कितने मिनिस्टरों के इस्तीफे आ चुके है। कम से कम 115 लोक सभा के सदस्य जिनका सम्बन्ध जनता पार्टी से था, उन्होंने अपना सम्बन्ध तोड़ दिया है जनता पार्टी से। मैं जानना चाहता हूं कि किस भरोसे पर यह जनता के पैसे को खर्च कर रहे हैं, किस अधिकार से सत्ता की कुर्सियों पर बैठे हुए हैं, किस, अधिकार से यहां प्रश्नों का उत्तर दे रहे हैं, किस अधिकार से ये सत्ता में बने रहे है। श्रीमन्, मेरा निवेदन है कि सरकार नहीं रही है इसलिए सदन को एडजार्न किया जाए और अगर वह तथाकथित सदन के नेता नहीं रहे हैं तो मैं उनसे यह कहूंगा कि वह अपने प्रधान मंत्री से मिलें। यह सदन के नेता नहीं हैं लेकिन मैं उनसे कहूंगा कि वह अपने प्रधान मंत्री से मिलें। . . . (*Interruptions*) वह हमारे प्रधान मंत्री नहीं है, देश के प्रधान मंत्री नहीं हैं। वह आप के प्रधान मंत्री है आप उनसे जाकर मिलें। श्रीमान यही मुझको निवेदन करना था।

श्री भीष्म नारायण सिंह : (बिहार) हमारी भी सहमति है।

REFERENCE TO THE POLITICAL AND CONSTITUTIONAL CRISIS FACING THE COUNTRY

SHRI BHUPESH GUPTA (West Bengal): Sir, I wish to make a submission here. We are obviously passing through a serious political and, if I may say so, Constitutional crisis. It does appear that some of our good friends do not see—maybe they are in the midst of the event, and there-